Drishti IAS

करेंट अफेयर्स मध्य प्रदेश

नवंबर 2022

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **3**

- भोपाल दुग्ध संघ को मिला ए+ ग्रेड 3
- मुख्यमंत्री ने किया 'लाडली लक्ष्मी पथ'का लोकार्पण ' 3
- प्रदेश में लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 का क्रियान्वयन प्रारंभ 3
- तीसरे नेशनल कल्चरल फेस्ट में मध्य प्रदेश को मिला देश में तीसरा स्थान 4
- कबीर बुनकर एवं विश्वकर्मा पुरस्कार से सम्मानित हुए बुनकर 5
- खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022 के लिये मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजन-सह-समन्वय समिति गठित 5
- अखिल भारतीय कालिदास समारोह-2022 का शुभारंभ 6
- बीसीएलएल को मिला अर्बन मोबिलिटी अवार्ड 2022 7
- राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृति परीक्षा में प्रदेश से ढाई लाख से अधिक विद्यार्थी हुए शामिल 7
- मध्य प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम श्रृंखला में 8,693 ज़िलास्तरीय पुरस्कार वितरित 8
- छतरपुर और बड़वानी कलेक्टर 'मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित 8
- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य मंत्रि-परिषद के महत्त्वपूर्ण निर्णय 9
- मध्य प्रदेश की पूजा ओझा राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये चयनित 10
- यूएस और मध्य प्रदेश के बीच सहयोग की संभावनाएँ 10
- सिंधी साहित्य अकादमी के साहित्य पुरस्कार घोषित 11
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शहडोल में जनजातीय गौरव दिवस सम्मेलन में शामिल हुई 11
- राष्ट्रपति ने मध्य प्रदेश में दो परियोजनाओं का किया वर्चुअल शिलान्यास 12
- पीएम स्व-निधि योजना के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश देश में अव्वल 13
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में हुआ मध्य प्रदेश दिवस समारोह 14
- 'जल महोत्सव' के सातवें संस्करण का आयोजन 28 नवंबर से 14
- सीएम हेल्प लाइन में बिजली शिकायत निवारण में इंदौर सहित सभी 15 ज़िले ए ग्रेड में 15
- 65वीं नेशनल पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश की टीम ने जीता कांस्य पदक 15
- मुख्यमंत्री ने तीसरे टी-20 विश्व कप ब्लाइंड क्रिकेट मैच के पोस्टर का अनावरण किया 16
- वर्ष 2019 के अखिल भारतीय एवं प्रादेशिक कृति पुरस्कारों की घोषणा 16
- मध्य प्रदेश को 41वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मिला कांस्य पदक 17
- मध्य प्रदेश के इतिहास में बिजली की सर्वाधिक मांग 15748 मेगावाट का नया रिकार्ड दर्ज 18
- शिल्प गुरू और राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए मध्य प्रदेश के शिल्पकार 18
- पर्यटन मंत्री ने किया जल महोत्सव का शुभारंभ 19

नोट :

मध्य प्रदेश

भोपाल दुग्ध संघ को मिला ए+ ग्रेड

चर्चा में क्यों ?

31 अक्टूबर, 2022 को भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.पी.एस. तिवारी ने बताया कि भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा भोपाल सहकारी दुग्ध संघ को विभिन्न मानकों के आधार पर 101 अंकों के साथ ए+ ग्रेड प्रदान किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- आर.पी.एस. तिवारी ने बताया कि प्रदेश के किसी भी दुग्ध संघ को पहली बार इतने अंक प्राप्त हुए हैं। पिछले वर्ष भी दुग्ध संघ को 96 अंकों के साथ ए+ ग्रेड मिला था।
- भोपाल सहकारी दुग्ध संघ को विभिन्न मानकों के आधार पर 106 में से 101 अंक दिये गए हैं। ए+ ग्रेड के लिये 95-106 अंक श्रेणी सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये निर्धारित है।
- उल्लेखनीय है कि भोपाल दुग्ध संघ को यह अंक सभी आयामों में स्वच्छता, अनुभव और तकनीकी ज्ञान से संपन्न स्टाफ, दूध और दुग्ध उत्पादों के बेहतर प्रबंधन, कोल्ड स्टोरेज का हर 2 घंटे में तापमान मापन, द्वार पर प्लास्टिक स्ट्रेप कर्टेन, डबल डोर स्लाडिंग आदि में प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने किया 'लाडली लक्ष्मी पथ'का लोकार्पण '

चर्चा में क्यों ?

2 नवंबर, 2022 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में भारत माता चौराहे पर 'लाडली लक्ष्मी पथ'का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भोपाल में भारत माता चौराहे से पॉलिटेक्निक चौराहे तक का मार्ग जो अभी स्मार्ट सिटी सड़क के नाम से जाना जाता है, अब 'लाडली लक्ष्मी पथ' के रूप मंत जाना जाएगा।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों के सम्मान से बड़ा कोई दूसरा सम्मान नही है। राज्य सरकार ने तय किया है कि प्रदेश के सभी 52 ज़िलों में 'लाडली लक्ष्मी पथ'विकसित किये जाएंगे।
- इन पथ के दोनों ओर बालिकाओं और महिलाओं के कल्याण एवं उन्नति के लिये संचालित योजनाओं, महिला सशक्तीकरण से संबंधित जानकारियाँ प्रदर्शित की जाएंगी। इससे माँ-बहन, बेटियाँ और समाज जागरूक होगा।
- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बड़े लोगों की बजाय अब बेटियों के नाम पर प्रदेश की सड़कों का नामकरण किया जाएगा।

प्रदेश में लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 का क्रियान्वयन प्रारंभ

चर्चा में क्यों ?

2 नवंबर, 2022 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविंद्र भवन भोपाल से 1477 लाडली लक्ष्मी बेटियों को उच्च शिक्षा के लिये 1 करोड़ 85 लाख रुपए की राशि अंतरित करते हुए 'लाडली लक्ष्मी योजना 2.0' का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महिला-बाल विकास द्वारा प्रकाशित लाडली लक्ष्मी योजना पुस्तिका का विमोचन किया। पुस्तिका में योजना प्रारंभ होने से लेकर अब तक की विकास यात्रा का विस्तार से उल्लेख है। मुख्यमंत्री ने योजना के तहत महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाली बेटियों को प्रतीक स्वरूप राशि के चेक भी सौंपे।
- मुख्यमंत्री ने लाडली लक्ष्मी योजना प्रारंभ होने की पृष्ठभूमि की जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2005 में उन्होंने मुख्यमंत्री बनने के बाद लाडली लक्ष्मी योजना तैयार करवाई। वर्ष 2007 से प्रारंभ की गई इस योजना में 43 लाख से अधिक लाडली लक्ष्मियाँ परिवार के सदस्यों के साथ जुड़ी हैं।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि लाडली लक्ष्मी योजना को शिक्षा से जोड़ा गया है। विभिन्न कक्षाओं में उत्तीर्ण होने पर बेटी के लिये प्रोत्साहन राशि का भुगतान करने की व्यवस्था की गई है। लाडली लक्ष्मियों को महाविद्यालय में प्रवेश के लिये सहायता देने हेतु 'लाडली लक्ष्मी योजना 0' प्रारंभ की गई है। अब महाविद्यालय की फीस की व्यवस्था राज्य सरकार करेगी।
- महिला-बाल विकास के अपर मुख्य सचिव अशोक शाह ने कहा कि लाडली लक्ष्मी योजना के तहत कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद महाविद्यालय जाने पर बेटी को 25 हज़ार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी, जो उन्हें शिक्षित कर करियर का चयन करने में मददगार होगी।
- इसके अलावा मुख्यमंत्री ने भोपाल में तात्या टोपे नगर स्टेडियम के पीछे विकसित 'लाडली लक्ष्मी वाटिका' का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने हर ज़िले में 'एक पार्क लाडली लक्ष्मी बेटियों के नाम'विकसित करने का निर्णय लिया है।

तीसरे नेशनल कल्चरल फेस्ट में मध्य प्रदेश को मिला देश में तीसरा स्थान

चर्चा में क्यों?

3 नवंबर, 2022 को केंद्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत देश के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) के लिये बंगलूरू में आयोजित तीसरे नेशनल कल्चरल फेस्ट में मध्य प्रदेश ने देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रमुख बिंदु

- इस फेस्ट में 13 विभिन्न विधाओं में मध्य प्रदेश के विद्यार्थियों ने अपनी जगह बनाई। मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के अधीन संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के लगभग 80 जनजातीय विद्यार्थियों ने फेस्ट में यह उपलब्धि प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन किया।
- तीनदिवसीय इस कल्चरल फेस्ट में शास्त्रीय और उपशास्त्रीय गायन, वाद्य वादन, एकल एवं समूह गायन, तात्कालिक चित्रकारी, नाटक, जनजातीय समूह नृत्य, लोकनृत्य और समूह गायन जैसी विधाओं के अलावा कहानी पाठ, सृजनात्मक लेखन, स्पेलबी और वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ भी हुईं।
- ईएमआरएस इंदौर की साक्षी मयड़िया और राजाराम ने प्रश्नोत्तरी में पहला स्थान प्राप्त किया। साक्षी ने अंग्रेज़ी भाषण में भी पहला स्थान प्राप्त किया।
- हिन्दी वाद-विवाद में ईएमआरएस इंदौर की वैष्णवी वास्कले और पीवीटीजी, ईएमआरएस इंदौर की नेहा यशवंत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा अंग्रेज़ी वाद-विवाद में ईएमआरएस इंदौर के सौम्य राय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- ईएमआरएस इंदौर की हिमांगी खपड़े ने स्पेल-बी में दूसरा स्थान हासिल किया तथा ईएमआरएस बड़वानी के कार्तिक डोडवे ने हिन्दी भाषण में दूसरा और ईएमआरएस पाली के तीरथ सिंह ने काव्यपाठ में तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- ईएमआरएस बुदनी की भारती बिघेले ने उपशास्त्रीय गायन में द्वितीय स्थान और ईएमआरएस धंसौर के आशीष मिश्र ने शास्त्रीय गायन में तीसरा स्थान प्राप्त किया। देशभक्ति समूह गायन में ईएमआरएस बड़वानी का दल तृतीय रहा।
- जनजातीय एकल गीत गायन में ईएमआरएस बुदनी की रंगिता ने पहला मुकाम हासिल किया। साथ ही, उप शास्त्रीय एकल गायन में ईएमआरएस तामिया के आशीष भारती ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

कबीर बुनकर एवं विश्वकर्मा पुरस्कार से सम्मानित हुए बुनकर

चर्चा में क्यों ?

4 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा हावकरण बुनाई के लिये राज्यस्तरीय कबीर बुनकर पुरस्कार 2020-21 एवं 2021-22 तथा उत्कृष्ट हस्तशिल्प के सृजन के लिये राज्यस्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार 2021-22 सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- भोपाल हाट में आयोजित समारोह में शिल्पियों को सम्मान स्वरूप शॉल, प्रमाण-पत्र, ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया गया।
- इस दौरान आयुक्त हथकरघा सह-प्रबंध संचालक संत रविदास म.प्र. हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम भोपाल अनुभा श्रीवास्तव ने बताया कि शिल्पियों और बुनकरों की पुरस्कृत कृतियों की प्रदर्शनी भी समारोह-स्थल पर लगाई जाएगी।
- इस समारोह में 6 बुनकरों तथा 6 शिल्पियों को सम्मानित किया गया है। वर्ष 2020-21 का कबीर बुनकर प्रथम पुरस्कार चंदेरी के वसीम मोहम्मद, द्वितीय पुरस्कार चंदेरी की रेखाबाई कोली एवं तृतीय पुरस्कार महेश्वर के मूलचंद श्रवणेकर को दिया गया।
- वर्ष 2021-22 का कबीर बुनकर प्रथम पुरस्कार चंदेरी के मोहम्मद वसीम, द्वितीय पुरस्कार बागोर ज़िला शिवपुरी के महेश कोली एवं तृतीय पुरस्कार चंदेरी के राजू पंथी को दिया गया।
- प्रथम पुरस्कार के लिये एक लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार के लिये 50 हज़ार रुपए एवं तृतीय पुरस्कार के लिये 25 हज़ार रुपए के चेक प्रदान किये गए।
- इसी प्रकार हस्तशिल्प के लिये वर्ष 2021-22 का विश्वकर्मा प्रथम पुरस्कार उज्जैन के मोहम्मद अहसान छीपा, द्वितीय पुरस्कार भोपाल के हीरामन उवती एवं तृतीय पुरस्कार भोपाल के धर्मेंद्र रोहर को दिया गया।
- इसके अतिरिक्त प्रोत्साहन श्रेणी में 3 पुरस्कार हयात गुट्टी, इकबाल एवं बनवारीलाल झारिया को दिये गए।
- विश्वकर्ता पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार के लिये राशि एक लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार के लिये 50 हज़ार रुपए एवं तृतीय पुरस्कार के लिये 25 हज़ार रुपए की राशि दी गई। साथ ही प्रोत्साहन स्वरूप चयनित शिल्पियों को 15-15 हज़ार रुपए की राशि प्रदान की गई।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022 के लिये मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजन-सह-समन्वय समिति गठित

चर्चा में क्यों ?

4 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश राज्य शासन ने प्रदेश में 31 जनवरी से 11 फरवरी, 2023 तक होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022 के 5वें संस्करण के आयोजन के लिये मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में 'आयोजन-सह-समन्वय समिति' और मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 'कार्यकारी समिति' गठित की।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित इस समिति में केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री सह-अध्यक्ष एवं खेल और युवा कल्याण मंत्र, मध्य प्रदेश उपाध्यक्ष होंगे।
- मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन; केंद्रीय सचिव युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय; अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन, गृह और वित्त विभाग समिति के सदस्य होंगे। प्रमुख सचिव खेल और युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश को सदस्य सचिव मनोनीत किया गया है।
- आयोजन-सह-समन्वय समिति में पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय मध्य प्रदेश; महानिदेशक भारतीय खेल प्राधिकरण नई दिल्ली; संचालक खेल और युवा कल्याण मध्य प्रदेश; भारतीय ओलंपिक संघ के प्रतिनिधि और अध्यक्ष-महासचिव स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया को सदस्य बनाया गया है।

नोट :

- खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022 के लिये कार्यकारी समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे। समिति के सह-अध्यक्ष सचिव केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय होंगे। अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामान्य प्रशासन, गृह, वित्त विभाग समिति के सदस्य मनोनीत किये गए हैं।
- प्रमुख सचिव ऊर्जा, लोक निर्माण, खेल और युवा कल्याण, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, स्कूल शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति, नगरीय विकास एवं आवास, परिवहन और जनसंपर्क विभाग को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।
- पुलिस महानिदेशक मध्य प्रदेश, महानिदेशक भारतीय खेल प्राधिकरण नई दिल्ली, संचालक खेल और युवा कल्याण मध्य प्रदेश, संचालक खेलो इंडिया नई दिल्ली, अपर पुलिस महानिदेशक अग्नि शमन मध्य प्रदेश, वरिष्ठ निदेशक भारतीय खेल प्राधिकरण, खेलो इंडिया, नई दिल्ली, अध्यक्ष-महासचिव स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, भारतीय ओलंपिक संघ, मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ के प्रतिनिधि, मंडल रेल प्रबंधक, भोपाल मंडल, भारतीय रेलवे मध्य प्रदेश, संचालक दूरदर्शन भोपाल और राज्य के दो प्रमुख खिलाड़ी खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022 की कार्यकारी समिति के सदस्य होंगे।
- आयोजन-सह-समन्वय समिति खेल और युवा कल्याण विभाग और कार्यकारी समिति के माध्यम से खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022 को नियंत्रण, प्रबंधित, व्यवस्थित और प्रशासित करेगी। कार्यकारी समिति खेलो इंडिया यूथ गेम्स के सुचारु संचालन, पर्यवेक्षण, निगरानी के साथ आयोजन-सह-समन्वय समिति के समग्र मार्गदर्शन में विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का कार्य करेगी।
- कार्यकारी समिति खेलो इंडिया यूथ गेम्स के स्थानों के अधोसंरचना विकास की निगरानी और क्रियान्वयन एजेंसियों के कार्यों की समीक्षा भी करेगी।

अखिल भारतीय कालिदास समारोह-2022 का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

4 नवंबर, 2022 को राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने देव प्रबोधिनी एकादशी पर सातदिवसीय अखिल भारतीय कालिदास समारोह-2022 का शुभारंभ किया। यह समारोह 4 नवंबर, 2022 से 10 नवंबर, 2022 तक आयोजित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- इस समारोह का शुभारंभ कालिदास संस्कृत अकादमी के पं. सूर्यनारायण व्यास संकुल सभागृह में विक्रम विश्वविद्यालय और कालिदास संस्कृत अकादमी मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद के तत्वावधान में हुआ।
- इस समारोह में पद्मभूषण बुधादित्य मुखर्जी (सितारवादन), पद्मश्री डॉ.पुरू दाधीच (कथक नृत्य), वासुदेव कामथ (चित्रकला) और रंगकर्मी एवं प्रसिद्ध अभिनेता राजीव वर्मा को राज्य शासन के प्रतिष्ठित अलंकरण 'राष्ट्रीय कालिदास सम्मान'से विभूषित किया गया। पहली बार यह चारों सम्मान कालिदास समारोह में दिये गए।
- राज्यपाल ने इस अवसर पर रघुवंशम् में लगी प्रदर्शनी तथा अश्विनी शोध संस्थान महिदपुर द्वारा लगाई गई सिक्कों की प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया। राज्यपाल ने परिसर में हथकरघा एवं हस्त शिल्प मेले का शुभारंभ किया।
- इस समारोह में उपस्थित अतिथियों द्वारा पुस्तक 'दुर्वा'और 'मेघदूत'के भोजपुरी अनुवाद एवं कालिदास राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी के ब्रॉशर का विमोचन किया गया।
- उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय कालिदास समारोह उज्जैन शहर में प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाने वाला एक सात दिवसीय समारोह है, जो कालिदास, वात्स्यायन, भर्तृहरि जैसे संस्कृत के साहित्यकारों से परिचित हैं और शिवमंगल सिंह सुमन, प्रभाकर माछवे, गजानन माधव मुक्तिबोध और पंडित सूर्य नारायण व्यास जैसे हिन्दी लेखकों की सराहना करते हैं।
- अखिल भारतीय कालिदास समारोह के दौरान कई नाटकों का मंचन किया जाता है, जो सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को दर्शाते हैं। भारतीय शास्त्रीय कार्यक्रमों में कुछ कलाकारों के अलावा कई दिग्गज भी प्रदर्शन करते हैं, जिनकी संगीत क्षेत्र में यात्रा अभी शुरू हुई है।
- विदित है कि भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 1958 में पहली बार इस समारोह का उद्घाटन किया था। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उज्जैन में द्वितीय अखिल भारतीय कालिदास समारोह का उद्घाटन करने का गौरव प्राप्त किया था।

बीसीएलएल को मिला अर्बन मोबिलिटी अवार्ड 2022

चर्चा में क्यों ?

6 नवंबर, 2022 को नगर निगम, भोपाल द्वारा शहर में सार्वजनिक परिवहन के लिये गठित बीसीएलएल को कोच्चि में अर्बन मोबिलिट अवार्ड 2022 प्रदान किया गया।

प्रमुख बिंदु

- निगम को यह अवार्ड 'सिटी विथ मोस्ट इनोवेटिव फाइनेंस मैकेनिज्म फॉर ट्रांसपोर्ट' कैटेगरी के लिये मिला।
- यह अवार्ड समारोह कोच्चि में होटल हयात में हुआ, जहाँ निगमायुक्त केवीएस चौधरी, अपर आयुक्त सीपी गोहिल और एमआईसी सदस्य मनोज राठौर ने अवार्ड प्राप्त किया। यह अवार्ड राज्य के आवासीय एवं शहरी विकास मंत्री कौशल किशोर ने दिया।
- बीसीएलएल ने अगस्त 2021 में निजी जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिये नवाचार किया था, जिसके चलते केंद्रशासित 'अमृत योजना' की 150 बसों का संचालन ग्रास कास्ट मॉडल पर शुरू किया। उक्त बस संचालन के लिये राजस्व जुटाने हेतु निविदाएँ आमंत्रित की गईं, जिसके चलते अलग से एजेंसी का चयन किया गया।
- बीसीएलएल के इस सूत्र को देशभर में सराहना मिली है। प्रदेश के अलावा केंद्र सरकार ने भी इस मॉडल को सराहा है।
- वर्तमान में 20 मार्गों पर बीसीएलएल द्वारा 352 बसों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें रोज़ाना डेढ़ लाख से ज़्यादा यात्री सफर करते हैं।

राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृति परीक्षा में प्रदेश से ढाई लाख से अधिक विद्यार्थी हुए शामिल

चर्चा में क्यों ?

7 नवंबर, 2022 को राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक धनराजू एस. ने बताया कि राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा में इस वर्ष मध्य प्रदेश से रिकॉर्ड 2 लाख 52 हज़ार से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की है।

प्रमुख बिंदु

- संचालक धनराजू एस. ने बताया कि गत वर्षों में इस छात्रवृति परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों की संख्या वर्ष 2019 में अधिकतम एक लाख ही रही है।
- इस वर्ष इस परीक्षा के सुचारु आयोजन के लिये संपूर्ण प्रदेश में कुल 811 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। छात्रवृत्ति के लिये कुल 2 लाख 52 हज़ार 410 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी है।
- संचालक ने बताया कि पूर्व वर्ष तक इस परीक्षा के लिये आवेदन प्रक्रिया एमपी ऑनलाइन कियोस्क से होती थी, जिसके स्थान पर इस वर्ष राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा मोबाइल ऐप प्रणाली विकसित कर शालाओं के प्रधानाध्यापकों के माध्यम से विद्यार्थियों के पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।
- राष्ट्रीय मींस कम मेरिट परीक्षा का उददेश्य आर्थिक रूप से कमज़ोर किंतु प्रतिभाशाली छात्रों का चयन कर छात्रवृत्ति प्रदान करना है। इस परीक्षा के लिये राज्य में स्थित केवल शासकीय एवं शासकीय अनुदान प्राप्त अथवा स्थानीय निकायों द्वारा संचालित विद्यालयों में कक्षा 8वीं में नियमित रूप से अध्ययनरत् ऐसे विद्यार्थी ही पात्र होते हैं, जिन्होंने कक्षा 7वीं में कम-से-कम सी ग्रेड प्राप्त किया है।
- छात्र-छात्राओं के अभिभावक की वार्षिक आय 3.50 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिये। छात्रवृत्ति के लिये मध्य प्रदेश राज्य हेतु केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा 6,446 छात्रों का कोटा निर्धारित है। इसमें चयनित छात्रों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक 12 हज़ार रुपए प्रतिवर्ष के मान से छात्रवृत्ति प्राप्त होती है।

नोट :

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम श्रृंखला में 8,693 ज़िलास्तरीय पुरस्कार वितरित

चर्चा में क्यों ?

7 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम श्रृंखला में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते और राज्य के मंत्रीगण, सांसद और विधायकों द्वारा सभी 52 ज़िलों में ज़िलास्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 8,693 लोगों को पुरस्कृत किया गया।

प्रमुख बिंदु

- भोपाल में राज्यस्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में 100 व्यक्तियों को पुरस्कार प्रदान किये गए। मुरैना ज़िले में 227 और श्योपुर ज़िले में 151 लोगों को उत्कृष्ट कार्य के लिये पुरस्कृत किया गया।
- मंडला में 51 लोगों को, हरदा में 50 और छिंदवाड़ा में 210 लोगों को पुरस्कृत किया गया। बड़वानी में 300, इंदौर में 150, अलीराजपुर में 345, भिंड में 295 और रायसेन ज़िले में 75 लोगों को उत्कृष्ट कार्यों के लिये पुरस्कृत किया गया।
- जबलपुर में 238, कटनी में 186, देवास में 70, सागर में 50, अनूपपुर में 100, पन्ना में 258, ग्वालियर में 22 और अशोकनगर में 312, राजगढ़ में 50, डिंडोरी में 65, नीमच में 72 और बालाघाट ज़िले में 230 लोगों को ज़िलास्तरीय समारोह में पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- छतरपुर ज़िले में 75, धार में 220, झाबुआ में 295, खरगौन में 100, बुरहानपुर में 613, सतना में 115, सिंगरौली में 397, दतिया में 111, बैतूल में 25 और नरसिंहपुर में 65 लोगों को पुरस्कृत किया गया।
- नर्मदापुरम में 300, शहडोल में 102, उज्जैन में 160, रतलाम में 350, मंदसौर में 25, उमरिया में 75, दमोह में 20, टीकमगढ़ में 160, निवाड़ी में 315, रीवा में 400, सीधी में 105, गुना में 147, नीमच में 72, विदिशा में 100, सीहोर में 60 लोगों को पुरस्कृत किया गया।
- सिवनी में 120 लोगों को ज़िलास्तरीय समारोह में पुरस्कार से सम्मानित किया गया। खंडवा में 140, शाजापुर में 73, आगर-मालवा में 243 और शिवपुरी ज़िले में 173 लोगों को उत्कृष्ट कार्य के लिये ज़िलास्तरीय पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में पुरस्कार दिये गए।

छतरपुर और बड़वानी कलेक्टर 'मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

7 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित समारोह में छतरपुर कलेक्टर संदीप जीआर और बड़वानी कलेक्टर शिवराज सिंह को प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) में पूरे मध्य प्रदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये 'मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार'से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- छतरपुर कलेक्टर संदीप जीआर को प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) ग्रामीण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये, जबकि बड़वानी कलेक्टर शिवराज सिंह को प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) शहरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये 'मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार'से सम्मानित किया गया है।
- कार्यक्रम में दोनों कलेक्टरों को पुरस्कार के साथ ही दोनों ज़िलों के लिये 10-10 लाख रुपए की नकद राशि भी प्रदान की गई।
- छतरपुर कलेक्टर संदीप जीआर के नेतृत्व में ज़िले ने पीएमएवाई के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र लाभार्थियों को पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिये राज्य भर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।
- संदीप जीआर ने बताया कि पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने उन्हें उज्जैन में ज़िला परिषद के सीईओ के रूप में तैनात रहने के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये पीएमएवाई-ग्रामीण में राज्यस्तरीय पुरस्कार भी प्रदान किया था।
- संदीप जीआर के छतरपुर ज़िले के कलेक्टर बनने के बाद से ज़िला विभिन्न क्षेत्रों में भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। यह पिछले 7 महीनों से सीएम-हेल्पलाइन निपटान में शीर्ष पाँच रैंकिंग में है और पिछले तीन महीनों से देश में एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम (एडीपी) में तीसरे स्थान पर है।

- छतरपुर को भारत सरकार के नीति आयोग के एडीपी में देश के 112 सबसे अविकसित (Underdeveloped) ज़िलों में शामिल किया गया है।
- मध्य प्रदेश नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को केंद्र सरकार की पीएमएवाई और पीएम स्वनिधि (स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि) योजनाओं के तहत सीएम के उत्कृष्टता पुरस्कारों के लिये चुना गया है, जिसमें बड़वानी ज़िले ने राज्य में पीएमएवाई-शहरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।
- उल्लेखनीय है कि अशग्राम ट्रस्ट परिसर में 1980 से कुष्ठाश्रम में रहने वाले कुष्ठ रोगियों के लिये बड़वानी कलेक्टर शिवराज सिंह द्वारा 66 आवास स्वीकृत किये गए हैं और झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र अगरिया फलिया में 29 परिवारों को भी पीएम आवास प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य मंत्रि-परिषद के महत्त्वपूर्ण निर्णय

चर्चा में क्यों?

9 नवंबर, 2022 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं में 'मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत' योजना लागू करने की अनुमति देने के साथ ही कई अन्य महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये।

प्रमुख बिंदु

- मंत्रि-परिषद द्वारा जनजातीय कार्य विभाग की 23 सी.एम. राईज योजना के उच्चतर माध्यमिक शाला भवन निर्माण की 678 करोड़ 82 लाख 25 हज़ार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया।
  - निर्णय के अनुसार सी.एम. राईज योजना में 23 स्कूल भवन निर्माण कार्यों में से 11 कार्यों की निर्माण एजेंसी परियोजना क्रियान्वयन इकाई, लोक निर्माण विभाग, 6 कार्यों की निर्माण एजेंसी भवन विकास निगम तथा 6 कार्यों की निर्माण एजेंसी मध्य प्रदेश पुलिस हाउसिंग एवं अधो-संरचना विकास निगम को बनाया गया है।
  - इसके साथ ही जनजातीय कार्य को वित्तीय वर्ष के पूंजीगत मद में प्रावधानित बजट से सी.एम. राईज योजना में निर्माण कार्यों को स्वीकृत किये जाने के लिये सूचकांक से मुक्त रखे जाने की अनुमति दी गई।
- मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं में 'मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत'योजना लागू करने की अनुमति दी। इसमें उद्यम क्रांति योजना के प्रथम चरण में 888 बेरोज़गार युवाओं को बैंक ऋण से वाहन उपलब्ध कराया जाएगा।
  - इससे लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं में आवंटित राशन सामग्री को प्रदाय केंद्र से उचित मूल्य दुकानों तक परिवहन कराया जाएगा।
- मंत्रि-परिषद ने नरवाई जलाने की प्रथा को हतोत्साहित करने, कृषि यंत्रीकरण को बढ़ाने और भूमि में नमी का संरक्षण करने के लिये 'फसल अवशेष प्रबंधन'योजना को संचालित करने का निर्णय लिया।
  - योजना में उपयोगी शक्ति चालित कृषि यंत्रों को चिह्नित कर कृषकों द्वारा इन्हें क्रय करने पर अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। लघु, सीमांत, महिला, एस.सी. और एस.टी. कृषकों को 50 प्रतिशत एवं अन्य कृषकों को 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।
  - योजना का क्रियान्वयन कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय द्वारा किया जाएगा।
- मंत्रि-परिषद ने ग्रामीण युवाओं को बैंक ऋण आधार पर कस्टम प्रोसेसिंग केंद्र स्थापना के लिये अनुदान सहायता उपलब्ध कराने हेतु नवीन योजना 'प्राथमिक प्र-संस्करण को प्रोत्साहन योजना'को संचालित करने का निर्णय लिया है। योजना का क्रियान्वयन कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय द्वारा किया जाएगा।
- मंत्रि-परिषद ने 'मुख्यमंत्री मत्स्य-विकास योजना'को आगामी 2 वर्षों (2022-23 एवं 2023-24) के लिये लागू करने का निर्णय लिया। योजना 2 वर्षों में प्रदेश में मत्स्य-पालन को बढ़ावा देने और मत्स्य-उत्पादन वृद्धि के लिये 100 करोड़ रुपए व्यय किया जाएगा।

नोट :

मध्य प्रदेश की पूजा ओझा राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये चयनित

चर्चा में क्यों ?

13 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश के भिंड ज़िले की पैरा कयाकिंग खिलाड़ी पूजा ओझा को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन श्रेणी खेल) के लिये चयनित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- एशियन पैरा चैंपियनयशिप की रजत पदक विजेता खिलाड़ी पूजा ओझा को यह सम्मान तीन दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में दिया जाएगा।
- विदित है कि अगस्त माह में कनाडा में आयोजित आईसीएफ वर्ल्ड पैरा कैनो चैंपियनशिप- 2022 में पूजा ओझा ने अपने कोच मयंक ठाकुर के मार्गदर्शन में रजत पदक जीता था।
- गौरतलब है कि भारतीय कयाकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से पूजा इस प्रतियोगिता में भाग लेने गई थी।
- पूजा को यह सम्मान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिया जा रहा है। सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन श्रेणी खेल में पूजा सहित देशभर के छह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया गया है और पूजा मध्य प्रदेश से चयनित एकमात्र खिलाड़ी हैं।

यूएस और मध्य प्रदेश के बीच सहयोग की संभावनाएँ

चर्चा में क्यों ?

14 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से यूएस के कॉन्सुलेट जनरल (महा वाणिज्य दूत) मिचेल हेंकी ने भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश और यूएस के मध्य विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की व्यापक संभावनाएँ हैं।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने यूएस के कॉन्सुलेट जनरल मिचेल हेंकी को जनवरी में हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के लिये भी आमंत्रित किया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और यूएस के मध्य विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की व्यापक संभावनाएँ हैं। द्विपक्षीय व्यापार और निवेश की प्राथमिकताओं पर कार्य के लिये यह बैठक महत्त्वपूर्ण है।
- गत तीन वर्ष में मध्य प्रदेश से यूएस में होने वाले निर्यात में वृद्धि हुई है। वर्ष 2019-20 में 05 बिलियन यूएस डॉलर का निर्यात हुआ, वहीं यह आँकड़ा वर्ष 2020-21 में बढ़ कर 1.28 और वर्ष 2021-22 में बढ़ कर 1.43 बिलियन यूएस डॉलर हो गया है। मुख्य रूप से जो उत्पाद मध्य प्रदेश से यूएस निर्यात होते हैं, उनमें बासमती चावल, दवाइयाँ, सूती वस्त्र, खाद्य तेल आदि शामिल हैं।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि निवेश के रूप में मध्य प्रदेश की केंद्रीय और आदर्श भूमिका है। देश के करीब 60 प्रतिशत भू-भाग को मध्य प्रदेश से आसानी से कवर किया जा सकता है। राज्य सरकार द्वारा निवेशकों से नियमित संवाद होता है।
- यूएस एवं मध्य प्रदेश की उन्नत विनिर्माण, रिन्यूएबल एनर्जी, मशीनरी इक्विपमेंट्स, ऑटोमोबाइल, फार्मा और चिकित्सा उपकरण क्षेत्रों में साझेदारी है। इसे यूएस एवं मध्य प्रदेश की सरकारी संस्था एमपीआईडीसी और यूएसटीडीए के मध्य एमओयू कर और आगे ले जाया जा सकता है।
- प्रदेश में कृषि विकास, उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में बहुत अच्छा आधार स्थापित है। मध्य प्रदेश, भारत में गेहूँ का सबसे बड़ा निर्यातक राज्य है। इस क्षेत्र में भी यूएस के साथ साझेदारी कर टेक्नोलॉजी ट्रांसफर कर निवेश की संभावनाएँ तलाशी जा रही हैं।
- कौशल विकास एवं प्रशिक्षण, नवाचार और अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेन्सेस, इन्क्यूबेशन सेंटर और कॉमन फेसिलिटी सेंटर को यूएस कंपनियों के साथ साझेदारी कर स्थापित करने के प्रयास हैं। प्रदेश में स्मार्ट सिटी विकास में साझेदारी एवं नवाचार के नवीन अवसर खोजने का कार्य भी प्राथमिकता में शामिल है।

- मध्य प्रदेश इन्फ्रा-स्ट्रक्चर (सड़क), वित्तीय और नवकरणीय क्षेत्रों में अधिक निवेश के लिये प्रयासरत् है। प्रदेश में चयनित ओडीओपी उत्पादों को अमेरिका में विपणन के अवसर प्रदान करने की संभावनाएँ विद्यमान हैं। 'स्टार्ट योर बिज़नेस इन थर्टी डेज़'की व्यवस्था का लाभ उद्यमियों को मिल रहा है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश, देश का हृदय प्रदेश है। स्वच्छता के क्षेत्र में मध्य प्रदेश देश में सबसे आगे है। नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में रीवा ज़िले में स्थापित 'रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पावर प्रोजेक्ट'एक प्रमुख परियोजना है, जिसकी लागत 4 हज़ार 500 करोड़ रुपए और क्षमता 750 मेगावाट है।
- उन्होंने बताया कि ओंकारेश्वर में सौर ऊर्जा से संचालित फ्लोटिंग संयंत्र की स्थापना की पहल की गई है। भविष्य में बरगी और गांधी सागर जलाशय पर भी ऐसे संयंत्र लगाने का विचार है।

सिंधी साहित्य अकादमी के साहित्य पुरस्कार घोषित

चर्चा में क्यों ?

15 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश सिंधी साहित्य अकादमी के निदेशक राजेश कुमार वाधवानी ने बताया कि अकादमी ने सिंधी सहित्य के क्षेत्र में दिये जाने वाले प्रतिष्ठित सम्मान व पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। वर्ष 2019, 2020 व 2021 के लिये संत शिरोमणि हिरदाराम जी के नाम से स्थापित साहित्य गौरव सम्मान दिये जाएंगे।

प्रमुख बिंदु

- इंदौर के अमर गोपलानी को वर्ष 2019 के लिये, भोपाल के केटी दादलानी को वर्ष 2020 के लिये और भोपाल के ही भगवान बाबानी को वर्ष 2021 के लिये साहित्य गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।
- साहित्य गौरव सम्मान में 1 लाख रुपए तथा अन्य सभी पुरस्कार श्रेणियों में 21 हज़ार रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।
- कृष्ण खटवानी स्मृति श्रेष्ठ गद्य कृति पुरस्कार- वर्ष 2019 के लिये गोप गोलानी की कृति 'जोगण जी प्रीत'को, वर्ष 2020 के लिये आसूदो लच्छवानी की कृति 'सुहिणों सुपिनो'को और वर्ष 2021 के लिये डॉ. नादिया मसंद की कृति 'मां, मिंटो ऐं नफसियत'को दिये जाएंगे।
- खियलदास बेगवानी स्मृति श्रेष्ठ पद्य कृति पुरस्कार- वर्ष 2019 के लिये रश्मि रामानी की कृति 'मां हिक सिन्धिण'को, वर्ष 2020 के लिये कन्हैयालाल मोटवानी मांदो की कृति 'आस जा कख'को और वर्ष 2021 के लिये नंदकुमार सन्मुखानी की कृति 'नवां पन'को दिये जाएंगे।
- गवंती नावाणी स्मृति श्रेष्ठ गायिका पुरस्कार- वर्ष 2019 के लिये सरला नागदेव को, वर्ष 2020 के लिये निशा चेलानी को और वर्ष 2021 के लिये प्रिया ज्ञानचंदानी को दिये जाएंगे।
- मास्तर चंद्र स्मृति श्रेष्ठ गायक पुरस्कार- वर्ष 2019 के लिये गोवर्धनदास उदासी (बालक मंडली) को, वर्ष 2020 के लिये रमेश कुमार तनवानी को और वर्ष 2021 के लिये दिलीप लालवानी को दिये जाएंगे।
- श्रेष्ठ नाट्य निर्देशक अथवा श्रेष्ठ कलाकार पुरस्कार- वर्ष 2019 के लिये परसराम नाथानी को, वर्ष 2020 के लिये स्व. ओपी आसूदानी को और वर्ष 2021 के लिये कविता इसरानी को दिये जाएंगे।
- श्रेष्ठ युवा लेखक पुरस्कार- वर्ष 2019 के लिये गुलाब लधाणी को, वर्ष 2020 के लिये राकेश शेवानी को और वर्ष 2021 के लिये किरण परियानी को दिये जाएंगे।
- अकादमी निदेशक ने बताया कि शीघ्र ही सम्मान समारोह का आयोजन कर यह सम्मान और पुरस्कार दिये जाएंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शहडोल में जनजातीय गौरव दिवस सम्मेलन में शामिल हुई

चर्चा में क्यों ?

15 नवंबर, 2022 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मध्य प्रदेश के लालपुर, शहडोल में राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस सम्मेलन में शामिल हुईं, जहाँ उन्होंने मध्य प्रदेश की संपूर्ण स्वास्थ्य कार्यक्रम योजना पुस्तिका का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय वर्गों के कल्याण के लिये जिन प्रकल्पों को प्रारंभ किया गया है, वे सभी राष्ट्रीय महत्त्व के हैं। अनुसूचित क्षेत्रों के लिये बनाए गए नए नियम जनजातीय क्षेत्रों के सशक्तीकरण एवं जनजातीय वर्ग को उनके अधिकार दिलाने में प्रभावी होंगे।
- इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने पेसा अधिनियम नियमावली की प्रथम प्रति सौंपी।
- विदित है कि बिरसा मुंडा के जन्म-दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि आज से मध्य प्रदेश में लागू किये गए पेसा एक्ट के नए नियम जनजातीय वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण में महत्त्वपूर्ण सिद्ध होंगे। इन नियमों के लागू होने से ग्राम सभाएँ बहुत अधिक शक्तिशाली हो जांगी।
- पेसा एक्ट के नए नियमों के अनुसार जल, ज़मीन और जंगल का प्रबंधन, छोटे-मोटे विवादों का निराकरण, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल, आँगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण, विभिन्न योजनाओं की मॉनिटरिंग आदि कार्य ग्राम सभा के हाथ में होंगे।
- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पेसा एक्ट के नए नियमों के अनुसार प्रत्येक वर्ष पटवारी को गाँव, ज़मीन का नक्शा, खसरा नकल, गाँव में लाकर ग्राम सभा में दिखाने होंगे, जिससे रिकॉर्ड में कोई गड़बड़ी न कर सके। गड़बड़ी होने पर ग्राम सभा को उसे ठीक करने का अधिकार होगा।
- किसी योजना के लिये ज़मीन लेने के लिये ग्राम सभा की सहमति आवश्यक होगी। कोई भी व्यक्ति छल-कपट, धर्मांतरण आदि कर गाँव वालों की ज़मीन नहीं हड़प पाएंगा। यदि ऐसा होता है तो ग्राम सभा को उसे वापस करवाने का अधिकार होगा।
- रेत खदान, गिटी-पत्थर के ठेके देना है या नहीं, यह भी ग्राम सभा तय करेगी। इन्हें पहले जनजातीय समाज सहकारी समिति को दिया जाएगा। तालाबों का प्रबंधन, उनमें मत्स्याखेट, सिंघाड़ा उगाने की सहमति ग्राम सभा देगी। ग्राम सभा ही सौ एकड़ सिंचाई तालाबों का प्रबंधन, वनोपज का संग्रहण एवं न्यूनतम मूल्य निर्धारण करेगी।
- पेसा एक्ट के नए नियमों के अनुसार जनजातीय क्षेत्र में मनरेगा के पैसे से कौन सा कार्य कराया जाए, यह ग्राम सभा ही तय करेगी। कार्य का मास्टर रोल भी ग्राम सभा देखेगी। यदि ग्राम से मज़दूरों को बाहर ले जाना हो तो पहले ग्राम सभा को जानकारी देनी होगी। गाँव में बाहर से आने वाले व्यक्ति की जानकारी भी ग्राम सभा को देनी होगी।
- जनजातीय क्षेत्रों में सिर्फ लाइसेंसधारी साहूकार ही निर्धारित ब्याज दर पर पैसा उधार दे पाएंगे। इसकी जानकारी भी ग्राम सभा को देनी होगी। अधिक ब्याज लेने पर कार्यवाही होगी। हितग्राही मूलक योजना में पहले किसे लाभ मिले, यह प्राथमिकता ग्राम सभा तय करेगी। बिना ग्राम सभा की अनुमति के कोई नई शराब की दुकान नहीं खुलेगी। किसी शराब दुकान को हटाने की अनुशंसा ग्राम सभा कर सकेगी। छोटे झगड़े सुलझाने का अधिकार भी ग्राम सभा को होगा।
- जनजातीय क्षेत्र में किसी थाने में एफआईआर दर्ज होने पर इसकी सूचना ग्राम सभा को देनी होगी। स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, आँगनवाड़ी केंद्र, आश्रम शालाएँ, छात्रावास आदि के निरीक्षण का अधिकार भी ग्राम सभा को होगा। मेला एवं बाज़ार का प्रबंधन भी ग्राम सभा करेगी।
- नए नियमों को प्रभावी ढंग से लागू किये जाने के लिये पेसा कोऑर्डिनेटर बनाए जाएंगे।

राष्ट्रपति ने मध्य प्रदेश में दो परियोजनाओं का किया वर्चुअल शिलान्यास

चर्चा में क्यों?

15 नवंबर, 2022 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रातापानी-औबेदुल्लागंज-इटारसी फोरलेन परियोजना (एनएच-46) और रक्षा मंत्रालय के ग्वालियर स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान में मेक्सिमम माइक्रोवाइल कंटेनमेंट लेबोरेटरी (बीएसएल 4) का वर्चुअल शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- करीब 300 करोड़ रुपए लागत की यह लैब कोविड-19 जैसी चुनौतियों का सामना करने में सहयोग करेगी। यहाँ महत्त्वपूर्ण अनुसंधान हो सकेंगे।

- यह परियोजना भारतमाला परियोजना में एनएच-46 (पुराना एनएच-69) औबेदुल्लागंज से बैतूल इंटर कॉरिडोर मार्ग का एक हिस्सा ही है, जो भोपाल से नागपुर को कनेक्टिविटी देता है।
- इस मार्ग का 38 किमी. का खंड रातापानी वन्य-जीव अभयारण्य में आता है एवं रातापानी खंड भोपाल-नागपुर कॉरिडोर का भाग है।
- इस परियोजना में वन्य-जीव और पर्यावरण की सुरक्षा के लिये आवश्यक उपाय शामिल हैं। वन्य-जीव अभयारण्य क्षेत्र में पशु अंडरपास के प्रावधानों से वन्य-प्राणियों को आवागमन में आसानी होगी।
- इस परियोजना की कुल लंबाई 38 किमी. है। इसके निर्माण पर 417 करोड़ 51 लाख रुपए की लागत आएगी। परियोजना का निर्माण कार्य 18 माह की अवधि में पूर्ण किया जाएगा।
- इस मार्ग को चौड़ा करने से वन्य-प्राणियों के आवागमन/आवास पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिये 5 बड़े पशु अंडरपास (100 मी., 420 मी., 1226 मी., 65 मी. एवं 65 मी.) एवं 2 छोटे पशु अंडरपास (10 मी. एवं 10 मी.) अधो-संरचनाएँ बनाई जाएंगी। इस परियोजना में एक माइनर ब्रिज एवं 2 व्हीकल अंडरपास का निर्माण भी किया जाना है।
- इस परियोजना का प्रमुख लाभ भोपाल, होशंगाबाद, बैतूल और नागपुर की बेहतर कनेक्टिविटी होगी। साथ ही, भारी यातायात से सड़क उपयोगकर्त्ताओं को सुविधा प्राप्त होगी।
- रातापानी वन्य-जीव अभयारण्य और सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व तक बेहतर आवागमन से पर्यटन क्षेत्र को बढावा एवं रोज़गार के अवसरों में वृद्धि होगी। इससे जहाँ समय और ईंधन की बचत के साथ प्रदूषण में कमी आएगी, वहीं सड़क उपयोगकर्त्ता की सुरक्षा में भी सुधार होगा। परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र के लोगों की तीव्र सामाजिक और आर्थिक समृद्धि का कार्य हो सकेगा।

पीएम स्व-निधि योजना के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश देश में अव्वल

चर्चा में क्यों ?

17 नवंबर, 2022 को नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया कि 'पीएम स्वनिधि योजना'के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश देश में अव्वल है। योजना में अभी तक मध्य प्रदेश में 6 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर को ऋण वितरित किया जा चुका है।

प्रमुख बिंदु

- नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना के प्रथम चरण में 5 लाख शहरी पथ विक्रेताओं को 498 करोड़ 77 लाख रुपए का ऋण वितरित कर मध्य प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।
- पीएम स्वनिधि योजना के द्वितीय चरण में (20 हज़ार रुपए ऋण राशि) 97 हज़ार 508 शहरी पथ विक्रताओं को 194 करोड़ 74 लाख रुपए का ऋण वितरित कर देश में द्वितीय स्थान पर है।
- पीएम स्वनिधि योजना के तृतीय चरण में 1,726 शहरी पथ विक्रेताओं को 8 करोड़ 59 लाख रुपए का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया गया है। साथ ही 2 लाख 26 हज़ार स्ट्रीट बेंडर्स ने डिजिटली लेन-देन कर 3 करोड़ 15 लाख रुपए का कैशबैक प्राप्त किया है।
- यह योजना 24 मार्च, 2020 को एवं इससे पूर्व शहरी क्षेत्रों में वेंडिंग कर रहे ऐसे सभी पथ विक्रेताओं के लिये लागू है, जिनके पास शहरी स्थानीय निकायों द्वारा जारी सर्टिफिकेट ऑफ वेंडिंग/पहचान-पत्र है।
- गौरतलब है कि कोविड-19 महामारी के दौरान नगरीय क्षेत्र में सबसे ज़्यादा प्रभावित वर्ग स्ट्रीट वेंडर्स को 10, 20 एवं 50 हज़ार रुपए की कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान किये जाने के लिये केंद्र सरकार द्वारा 'पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्म-निर्भर निधि योजना'(पीएम स्वनिधि) जुलाई 2020 से प्रारंभ की गई है।
- योजना के प्रथम चरण में 10 हज़ार रुपए का ब्याजमुक्त ऋण दिया जाता है। इसे समय पर चुका देने पर 20 हज़ार और फिर 50 हज़ार रुपए का ऋण दिया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में हुआ मध्य प्रदेश दिवस समारोह

चर्चा में क्यों ?

18 नवंबर, 2022 को प्रगति मैदान नई दिल्ली में चल रहे 41वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2022 में मध्य प्रदेश दिवस समारोह का सांस्कृतिक भव्यता के साथ आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ लघु उद्योग निगम अध्यक्ष इमरती देवी, सचिव सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम पी. नरहरि, महाप्रबंधक लघु उद्योग निगम रोहित सिंह और आवासीय आयुक्त पंकज राग द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्रमुख बिंदु

- सचिव पी. नरहरि ने बताया कि आज़ादी की 75वीं वर्षगाँठ पर आयोजित इस व्यापार मेले में मध्य प्रदेश मंडप का निर्माण 'वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल'थीम पर किया गया है।
- यह मंडप इंदौर में निकट भविष्य में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और प्रवासी भारतीय दिवस में भाग लेने के लिये आगंतुकों को निमंत्रित करता है। यह मंडप आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश रोड मैप सहित प्रदेश की नीतियों, उपलब्धियों, सांस्कृतिक धरोहर, कला और संस्कृति का अवलोकन करने का अवसर प्रदान करता है। छतरपुर की माटी शिल्प और भोपाल की जरी-जरदोजी कला का सजीव प्रदर्शन भी मंडप में किया जा रहा है।
- मध्य प्रदेश दिवस समारोह में प्रदेश की समृद्ध संगीत और नृत्य विरासत का प्रदर्शन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भेरू सिंह चौहान और समूह ने मालवा क्षेत्र के कबीर लोकगायन और संजय महाजन एवं समूह ने निमाड़ क्षेत्र के गणगौर लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी।
- समारोह में शासकीय और निजी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये पुरस्कार भी वितरित किये गए। मध्य प्रदेश माटी कला बोर्ड को पहला पुरस्कार और मध्य प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन को दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

'जल महोत्सव' के सातवें संस्करण का आयोजन 28 नवंबर से

चर्चा में क्यों ?

20 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश के प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव एवं मप्र टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा खंडवा ज़िले के हनुवंतिया टापू में प्रदेश के सबसे बड़े आयोजनों में से एक 'जल महोत्सव' के सातवें संस्करण का आयोजन 28 नवंबर 2022 से किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- दो माह तक चलने वाले इस वाटर कार्निवल का शुभारंभ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। इसका समापन 28 जनवरी 2023 को होगा।
- शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि जल महोत्सव देशभर के एडवेंचर लवर्स के लिये आदर्श गंतव्य के रूप में स्थापित हो चुका है। पर्यटकों के उत्साह और आनंद को बढ़ाने के लिये इंदिरा सागर बांध के बैकवाटर पर स्थित हनुवंतिया टापू पर फ्लाइंग इंफ्लेटेबल बोट एक्टिविटी आयोजित की जा रही है। देश में पहली बार पर्यटक इस तरह की गतिविधि का आनंद लेंगे।
- स्कूबा डाइविंग, बोरियामल द्वीप पर नाइट सफारी, लग्जरी रीगल सीरीज बोट, 40 फीट हाई रोप स्विंग, जिप सायकल, पैरामोटरिंग, पैरासेलिंग, स्पीड बोट, जेट स्काई, हॉट एयर बलूनिंग, मोटर बोट राइडिंग इत्यादि एडवेंचर गतिविधियाँ प्रमुख आकर्षण होंगी। इस अवसर पर एक वीडियो फिल्म भी दिखाई जाएगी।
- शुक्ला ने बताया कि टूरिज्म बोर्ड द्वारा सनसेट डेजर्ट कैंप के साथ मिलकर हनुवंतिया टापू में स्थित टेस्ट सिटी का संचालन पर्यटकों के लिये किया जा रहा है। इस टेंट सिटी में 104 लग्जरी स्विस टेंट्स के साथ-साथ कॉर्पोरेट सम्मेलनों के लिये एसी सम्मेलन हॉल की सुविधा मिलेगी।
- जल महोत्सव में केरल के प्रसिद्ध करैली समूह के द्वारा वेलनेस स्पा, राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय एंगलर्स की तीन दिवसीय एंगलिंग स्पोर्ट इवेंट, संगीत समारोह, पतंग उत्सव जैसी अनेक गतिविधियाँ पर्यटकों के मनोरंजन के लिये आयोजित की जाएंगी।
- उल्लेखनीय है कि इंदिरा सागर बांध के तट पर स्थित हनुवंतिया टापू को एक आदर्श पर्यटन स्थल विकसित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा 'जल महोत्सव'का आयोजन किया जाता है।

नोट :

- 'जल महोत्सव' को जनवरी 2022 में स्पेन में इंडियाज यूनिक वाटर एंड एडवेंचर कार्निवल से सम्मानित किया गया था। 2017 में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा सबसे अनोखे नवीन पर्यटन उत्पाद वर्ष 2015-16 हेतु सम्मानित किया जा चुका है।
- गौरतलब है कि जल महोत्सव 2021 के 60 दिनों के दौरान 2 लाख 40 हज़ार से ज्यादा लोगों ने भ्रमण किया था।

सीएम हेल्प लाइन में बिजली शिकायत निवारण में इंदौर सहित सभी 15 ज़िले ए ग्रेड में

चर्चा में क्यों ?

21 नवंबर, 2022 को जारी सूची में सीएम हेल्प लाइन में बिजली शिकायत निवारण में मप्र पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी (पक्षेबिविकं) के इंदौर समेत सभी 15 ज़िले 'ए' ग्रेड में आए हैं।

प्रमुख बिंदु

- उपभोक्ता सुविधाओं में बढ़ोतरी, बिजली आपूर्ति को लेकर सघन पर्यवेक्षण और 15 ज़िलों में नोडल अधिकारी द्वारा दैनिक समीक्षा कराए जाने से सीएम हेल्प लाइन 181 में आने वाली बिजली शिकायतों का तेज़ी से एवं सर्वमान्य तरीके से समाधान हो रहा है।
- मध्य प्रदेश प.क्षे.बि.वि.कं. इंदौर के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि 'ए' ग्रेड मिलना समय पर, नियमानुसार और संतुष्टि के साथ कार्य कराए जाने की पुष्टि करता है।
- मालवा-निमाड़ में कंपनी स्तर पर मुख्य महाप्रबंधक रिंकेश कुमार वैश्य और संयुक्त सचिव तरुण उपाध्याय सीएम हेल्प लाइन में आने वाली शिकायतों के निराकरण की प्रतिदिन समीक्षा करते हैं।
- प्रबंध निदेशक ने बताया कि साथ ही 15 ज़िलों के अधिकारी भी अपने क्षेत्र की बिजली समस्याओं और शिकायतों का समय पर उचित तरीके से समाधान कराते हैं।
- इससे सीएम हेल्प लाइन 181 के मापदंडों के अनुसार शिकायतों के समाधान में पिछले 7 माह से कंपनी की स्थिति में सतत् सुधार आ रहा है। पहले कुछ ज़िले 'बी' श्रेणी में थे, अब सभी पंद्रह ज़िले 'ए' श्रेणी में हैं।
- ताजा जारी सूची में शाजापुर, इंदौर, आगर-मालवा, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, देवास, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, बुरहानपुर, रतलाम, मंदसौर, नीमच और उज्जैन ज़िला 'ए' श्रेणी में आए हैं।

65वीं नेशनल पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश की टीम ने जीता कांस्य पदक

चर्चा में क्यों ?

22 नवंबर, 2022 को भोपाल के बिशनखेड़ी स्थित मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में शुरू हुई 65वीं राष्ट्रीय पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने टीम इवेंट में पहला पदक हासिल किया। मध्य प्रदेश के यशराज यादव, अक्षत ताम्बे और हरिओम ने 25 मीटर जूनियर सिविलियन चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किया। इस इवेंट में तमिलनाडु ने स्वर्ण पदक और पंजाब ने रजत पदक हासिल किया।

प्रमुख बिंदु

- इसी प्रकार 25 मीटर जूनियर पुरुष टीम इवेंट में तमिलनाडु ने स्वर्ण पदक, हरियाणा ने रजत और पंजाब ने कांस्य पदक हासिल किया।
- नेशनल पिस्टल चैंपियनशिप के इंडिविजुअल इवेंट में आंध्र प्रदेश के मुकेश नेला वल्ली ने स्वर्ण, राजस्थान के अभिनव चौधरी ने रजत और राजस्थान के ही अक्षय कुमार ने कांस्य पदक हासिल किया।
- 25 मीटर की सिविलियन चैंपियनशिप में पुन: आंध्र प्रदेश के मुकेश नेला वल्ली ने अपने खाते में एक और स्वर्ण पदक का इजाफा किया। इसी इवेंट में राजस्थान के अक्षय कुमार ने रजत और तमिलनाडु के मीसाक पुन्नुदुरई ने कांस्य पदक हासिल किया।
- 65वीं राष्ट्रीय पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप में 25 मीटर डेफ पुरुष इवेंट में उत्तराखंड के अभिनव देशपाल ने स्वर्ण, महाराष्ट्र के चेतन हनुमंत सपकाल ने रजत और हरियाणा के शुभम वशिष्ठ ने कांस्य पदक हासिल किया।
- 65वीं राष्ट्रीय पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप में खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने विजेताओं को पदक से सम्मानित किया।

नोट :

- इस अवसर पर खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप के अलावा दिसंबर माह में नेशनल घुड़सवारी और नेशनल महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन होना है। जनवरी में खेलो इंडिया यूथ गेम्स मध्य प्रदेश के 8 शहरों में आयोजित हो रहे हैं।
- इस नेशनल चैंपियनशिप में लगभग 5 हज़ार से ज़्यादा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।
- उल्लेखनीय है कि 65वीं राष्ट्रीय पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप का आयोजन 20 नवंबर से 10 दिसंबर, 2022 तक किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने तीसरे टी-20 विश्व कप ब्लाइंड क्रिकेट मैच के पोस्टर का अनावरण किया

चर्चा में क्यों?

22 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश ब्लाइंड क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से आगामी 10 दिसंबर 2022 को इंदौर के खालसा स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टी-20 विश्व कप ब्लाइंड क्रिकेट मैच का आयोजन किया जा रहा है। इस हेतु 22 नवंबर, 2022 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में पहले पोस्टर का अनावरण किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एसोसिएशन का यह एक बड़ा प्रयास है। राज्य सरकार द्वारा एसोसिएशन को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।
- क्रिकेट आयोजक डॉ. अनिल भंडारी ने बताया कि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी युवराज सिंह इस विश्व कप के ब्रांड एंबेसडर हैं। वर्ल्ड ब्लाइंड क्रिकेट लिमिटेड (WBC) से संबद्ध क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (CABI) और विकलांगों के लिये समर्थनम ट्रस्ट नेत्रहीनों के लिये टी-20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे संस्करण का आयोजन किया जा रहा है, जो दिसंबर-2022 में भारत के विभिन्न शहरों में होगा।
- इस मेगा इवेंट में 10 देश - ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, नेपाल, न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज़ और मेज़बान भारत हिस्सा लेंगे।
- गौरतलब है कि भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जिसने दिसंबर 2012 में टी-20 वर्ल्ड कप, दिसंबर 2014 में वनडे वर्ल्ड कप और जनवरी 2016में टी-20 एशिया कप समेत इंटरनेशनल चैंपियनशिप के सभी फॉर्मेट जीते हैं।

वर्ष 2019 के अखिल भारतीय एवं प्रादेशिक कृति पुरस्कारों की घोषणा

चर्चा में क्यों?

27 नवंबर, 2022 को संस्कृति विभाग की साहित्य अकादमी द्वारा कैलेंडर वर्ष 2019 के कृति पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई। इसमें 13 भारतीय और 15 प्रादेशिक कृति पुरस्कार शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- अखिल भारतीय पुरस्कार में प्रति रचनाकार एक लाख रुपए एवं प्रादेशिक पुरस्कार में प्रति रचनाकार 51 हज़ार रुपए के साथ शॉल, श्रीफल, स्मृति-चिह्न और प्रशस्ति-पत्र से अलंकृत किया जाता है।
- **अखिल भारतीय कृति पुरस्कार**
  - अखिल भारतीय पं. माखनलाल चतुर्वेदी (निबंध) पुरस्कार- डॉ. मनोज पांडेय (नागपुर) की कृति 'आलोचना के नए परिप्रेक्ष्य'को,
  - अखिल भारतीय गजानन माधव मुक्तिबोध (कहानी)- सच्चिदानंद जोशी (दिल्ली) की कृति 'पल भर की पहचान'को,
  - अखिल भारतीय राजा वीरसिंह देव (उपन्यास)- प्रो. मनीषा शर्मा (अमरकंटक) की कृति 'ये इश्क'को,
  - अखिल भारतीय आचार्य रामचंद्र शुक्ल (आलोचना)- डॉ. कविता भटे (उत्तराखंड) की कृति 'भारतीय साहित्य में जीवन मूल्य'को,
  - अखिल भारतीय पं. भवानी प्रसाद मिश्र (गीत एवं हिन्दी गजल)- डॉ. आर. पी. सारस्वत (सहारनपुर) की कृति 'तुम बिन'को,

नोट :

- अखिल भारतीय अटल बिहारी वाजपेयी (कविता)- डॉ. इंदु राव (हरियाणा) की कृति 'छांह संस्कृति की'को,
- अखिल भारतीय कुबेरनाथ राय (ललित निबंध)- राजेश जैन (दिल्ली) की कृति 'ईश्वर की आत्मकथा'को,
- अखिल भारतीय विष्णु प्रभाकर (आत्मकथा जीवनी)- डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री (मोहाली) की कृति 'श्री गुरु नानक देवजी'को,
- अखिल भारतीय निर्मल वर्मा (संस्मरण)- प्रो. सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी (इंदौर) की कृति 'बदलती हवाएँ'को,
- अखिल भारतीय महादेवी वर्मा (रेखाचित्र)- प्रशांत पोल (जबलपुर) की कृति 'वे पंद्रह दिन' को,
- अखिल भारतीय प्रो. विष्णुकांत शास्त्री (यात्रा-वृत्तांत)- डॉ. सुधा गुप्ता 'अमृता'(कटनी) की कृति 'चलें भ्रमण की ओर' को,
- अखिल भारतीय भारतेंदु हरिश्चंद्र (अनुवाद)- संतोष रंजन (भोपाल) की कृति 'थेल्मा मेरी कोरिली' को
- अखिल भारतीय नारद मुनि (फेसबुक/ब्लॉग/नेट) पुरस्कार- अजय जैन 'विकल्प' (इंदौर) को उनके पेज 'फेसबुक/ब्लॉग/नेट'को दिया गया है।

- **प्रादेशिक कृति पुरस्कार**
  - वृंदावन लाल वर्मा (उपन्यास) पुरस्कार- डॉ. अश्विनी कुमार दुबे (इंदौर) की कृति 'किसी शहर में' को,
  - सुभद्रा कुमारी चौहान (कहानी)- डॉ. गरिमा संजय दुबे (इंदौर) की कृति 'दो ध्रुवों के बीच की आस' को,
  - श्रीकृष्ण सरल (कविता)- गुरु सक्सेना (नरसिंहपुर) की कृति 'सीता वनवास' को,
  - प्रादेशिक आचार्य नंददुलारे वाजपेयी (आलोचना)- बूला कार (इंदौर) की कृति 'साहित्य मीमांसा' को,
  - हरिकृष्ण प्रेमी (नाटक)- अशोक मनवानी (भोपाल) की कृति 'वतन आज़ाद देखूँ' को,
  - राजेंद्र अनुरागी (डायरी)- राजेश अवस्थी 'लावा'(ग्वालियर) की कृति 'अतीत के शब्दबिंब' को,
  - पं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'(प्रदेश के लेखक की पहली कृति)- डॉ. अन्नपूर्णा सिसोदिया (अशोकनगर) की कृति 'औरत बुद्ध नहीं होती' को,
  - ईसुरी (लोकभाषा विषयक)- आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल (टीकमगढ़) की कृति 'मदन रस बरसे' को,
  - हरिकृष्ण देवसरे (बाल साहित्य)- डॉ. प्रेमलता नीलम (दमोह) की कृति 'गले का हार' को,
  - नरेश मेहता (संवाद, पटकथा लेखन)- संदीप शर्मा (धार) का पटकथा लेखन 'प्रयाग प्रवाह और जयतु सिंहस्थ' को,
  - जैनेंद्र कुमार 'जैन' (लघुकथा)- डॉ. गिरिजेश सक्सेना (भोपाल) की कृति 'चाणक्य के दाँत' को,
  - सेठ गोविंद दास (एकांकी)- डॉ. सुधीर आज़ाद (भोपाल) की कृति 'मैं खुदीराम त्रैलोक्यनाथ बोस' को,
  - शरद जोशी (व्यंग्य)- मीरा जैन (उज्जैन) की कृति 'हेल्प हादसा' को,
  - वीरेंद्र मिश्र (गीत)- राजेंद्र शर्मा 'अक्षर' (भोपाल) की कृति 'संबोधन' को,
  - दुष्यंत कुमार (गजल)- पुरस्कार डॉ. प्रियंका त्रिपाठी (शहडोल) की कृति 'गुनगुनी सी धूप' को दिया गया है।

मध्य प्रदेश को 41वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मिला कांस्य पदक

चर्चा में क्यों ?

27 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग के अधिकारी अरुण शर्मा ने बताया कि नई दिल्ली मी हुए 41वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) 2022 में मध्य प्रदेश मंडप ने विशेष प्रस्तुति से कांस्य पदक प्राप्त किया।

प्रमुख बिंदु

- मध्य प्रदेश शासन की ओर से मध्य प्रदेश मंडप के डायरेक्टर बी.एन. तिवारी ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।
- मेले में आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के रोडमैप सहित राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों, उपलब्धियों, सांस्कृतिक धरोहर, कला और संस्कृति का प्रदर्शन किया गया।

- इसके साथ ही छतरपुर की माटी शिल्प और भोपाल की जरी-जरदोजी शिल्प कला के सजीव प्रदर्शन से राज्य की कला और सांस्कृतिक समृद्धि की झलक प्रस्तुत की गई।
- दिल्ली के प्रगति मैदान में इस साल आयोजित 41वें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में स्वदेशी कंपनियों का जोर देखने को मिला। वहीं स्वदेशी कंपनियों के प्रोडक्ट्स भी लोगों को खूब पसंद आए। इस कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में स्वदेशी कंपनियों ने काफी अच्छा बिज़नेस किया। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला छोटी-छोटी स्वदेशी कंपनियों के लिये यह एक अच्छा प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है।

मध्य प्रदेश के इतिहास में बिजली की सर्वाधिक मांग 15748 मेगावाट का नया रिकार्ड दर्ज

चर्चा में क्यों?

28 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि प्रदेश के इतिहास में 27 नवंबर को सर्वाधिक बिजली मांग का नया रिकार्ड कायम हुआ। इस दिन प्रदेश में बिजली की मांग 15748 मेगावाट दर्ज हुई। इससे पूर्व प्रदेश में सर्वाधिक बिजली की मांग 24 दिसंबर, 2021 को 15692 मेगावाट दर्ज हुई थी।

प्रमुख बिंदु

- प्रदेश में जब बिजली की मांग 15748 मेगावाट पर दर्ज हुई उस दौरान मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (जबलपुर, सागर व रीवा संभाग) में 4319 मेगावाट, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (भोपाल व ग्वालियर संभाग) में 4808 मेगावाट और मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (इंदौर व उज्जैन संभाग) में बिजली की अधिकतम मांग 6313 मेगावाट दर्ज हुई। रेलवे को 308 मेगावाट बिजली दी गई।
- 27 नवंबर को जब बिजली की मांग 15748 मेगावाट दर्ज हुई, उस समय बिजली की सप्लाई में मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप एवं जल विद्युत गृहों का उत्पादन अंश 3823 मेगावाट, इंदिरा सागर-सरदार सरोवर-ओंकारेश्वर जल विद्युत परियोजना का अंश 820 मेगावाट, सेंट्रल सेक्टर का अंश 4272 मेगावाट और आईपीपी का अंश 2521 मेगावाट रहा। अन्य स्त्रोत जिनमें नवकरणीय स्त्रोत व बैंकिंग भी शामिल हैं, से प्रदेश को 4311 मेगावाट बिजली प्राप्त हुई।

शिल्प गुरू और राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए मध्य प्रदेश के शिल्पकार

चर्चा में क्यों?

28 नवंबर, 2022 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य 'शिल्प गुरू राष्ट्रीय पुरस्कार' सम्मान समारोह में मध्य प्रदेश के एक सिद्धहस्त हस्तशिल्प कलाकार को 'शिल्प गुरू पुरस्कार' एवं पाँच श्रेष्ठ हस्तशिल्पियों को हस्तशिल्प के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सम्मान समारोह में शिल्प गुरू पुरस्कार विजेताओं को सम्मान स्वरूप सोने का सिक्का, 2 लाख रुपए की राशि, ताम्रपत्र, शॉल और प्रमाण-पत्र तथा हस्तशिल्प राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं को एक लाख रुपए की राशि, ताम्रपत्र एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया।
- मध्य प्रदेश के धार ज़िले के मोहम्मद यूसुफ खत्री को बाघ प्रिंट हस्त-शिल्प विरासत के संरक्षण के लिये वर्ष 2017 का शिल्प गुरू पुरस्कार प्रदान किया गया है।
- धार ज़िले के मोहम्मद नसीर को साड़ी हस्त-ब्लॉक प्रिंटिंग शिल्प और मुबारिक खत्री को बाँस दरी पर्दों पर हस्त ब्लॉक प्रिंट तथा नीमच ज़िले के स्व. प्रदीप झरिया और पवन कुमार झरिया को विलुप्त तारापुर हस्त-छप्पा छपाई कला के लिये वर्ष 2017 के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्व. प्रदीप झरिया का पुरस्कार उनकी धर्मपत्नी अनुसुइया झरिया ने ग्रहण किया।
- धार ज़िले के मोहम्मद बिलाल खत्री को बाँस चटाई हस्त-ब्लॉक प्रिंट के लिये वर्ष 2018 के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नोट :

- उल्लेखनीय है कि उक्त सम्मान समारोह में वर्ष 2017, 2018 एवं 2019 के लिये देशभर से नामित किये गए हस्तशिल्प से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के 30 हस्तशिल्पियों को 'शिल्प गुरू पुरस्कार' एवं 78 हस्तशिल्पियों को 'राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।
- वर्ष 2002 में शुरू किये गए शिल्प गुरू पुरस्कार ऐसे सर्वश्रेष्ठ सिद्धहस्त हस्तशिल्पियों को दिया जाता है जिन्होंने हस्तशिल्प के क्षेत्र में गुरू की भूमिका निभाते हुए संबंधित कला को आगे बढ़ाने के लिये बेहतरीन कार्य किया हो।

पर्यटन मंत्री ने किया जल महोत्सव का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

28 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश की पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री ऊषा ठाकुर ने खंडवा ज़िले के पर्यटन स्थल 'हनुवंतिया टापू' में मध्य प्रदेश के वार्षिक पर्यटन कार्यक्रम 'जल महोत्सव' के 7वें संस्करण का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- जल पर्यटन क्षेत्र में मिनी गोवा के नाम से देशभर में प्रसिद्ध हनुवंतिया में दो माह तक चलने वाले इस वाटर कार्निवल का समापन 28 जनवरी, 2023 को होगा।
- प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि जल महोत्सव को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति मिल रही है। यह प्रदेश से राष्ट्र और राष्ट्र से अंतर्राष्ट्रीय स्तर का हो गया है। जल महोत्सव में पहली बार पर्यटक फ्लाईंग बोट, फ्लोटिंग वेलनेस स्पा का रोमांच लेंगे।
- प्रमुख सचिव शुक्ला ने स्थानीय नागरिकों से आग्रह किया कि पर्यटकों को गाँवों का भ्रमण कराएँ। स्थानीय खान-पान, कला, कौशल और खेती-बाड़ी से परिचय कराएँ, जिससे ग्रामीणों को भी आमदनी होगी और पर्यटक स्थानीय कला एवं संस्कृति से अवगत होंगे।
- जल महोत्सव में केरल के प्रसिद्ध करैली समूह के द्वारा वेलनेस स्पा, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय एंगलर्स की तीनदिवसीय एंगलिंग स्पोर्ट इवेंट, संगीत समारोह, पतंग उत्सव जैसी अनेक गतिविधियाँ पर्यटकों के मनोरंजन के लिये आयोजित की जाएंगी।
- उल्लेखनीय है कि इंदिरा सागर बांध के तट पर स्थित हनुवंतिया टापू को एक आदर्श पर्यटन स्थल विकसित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा 'जल महोत्सव' का आयोजन किया जाता है।
- 'जल महोत्सव' खेल और प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों को आनंद एवं रोमांच की अनुभूति के लिये साहसिक गतिविधियों के अवसर प्रदान करता है।
- 'जल महोत्सव' में साहसिक खेलों को ध्यान में रखते हुए अन्य उत्साहवर्धक गतिविधियाँ, जैसे- हॉट एयर बैलूनिंग, साइकिलिंग, क्रूज बोटिंग, वाटर पैरासेलिंग, पैरा मोटरिंग, आइलैंड कैंपिंग, स्टार गेजिंग, बर्ड वॉचिंग आदि का भी आयोजन किया जाता है।
- विदित है कि 20 जनवरी, 2022 को 'जल महोत्सव' को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्पेन के मैड्रिड में भारत के अद्वितीय जल और साहसिक कार्निवल के रूप में सम्मानित किया गया था। इसके अलावा जल महोत्सव को वर्ष 2017 में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा सबसे अनोखे/अद्वितीय नवीन पर्यटन उत्पाद वर्ष 2015-16 हेतु राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

नोट :